S.H. RAZA, 101, RUE DE CHARONNE, 2, CITE DU COUVENT, 75011 PARIS - FRANCE

पेरिस, २० भाचे, १६८८,

प्रिय भारिवलेश

भाषाल में युम्ह आपने नित्र पसन्द आये । 3म (भय भेने आपने, आपने नित्रों के दुई । फाराग्राप, मार्ग थे। हो (बता है कि आपने। एत्र महत्वपूर्ण प्रदर्शनी जो पिल्ली में आयोजित की जा रही है, निसंत्राण भिल्लों से । यूस्तुफ, का पत्र आया, पर आपना अमना जरि!

भूमि। चार या पाँच कले ७ एन भाइट या श्मीन फारों , पेपर पर , भापका लाया डेटा , श्रीर भापकों एक प्रोट्रेट शिष्यु के भिना दें।

भया आप कम्बई गये थे । श्री मती गांसी के वित्र िम्ना विया गया होगा । भें शापके लियो बिद्या भएर एपा यहाँ से भिजाने की के शिश क्रिया । िकली प्रदर्शनी की थोजना फरवरी - र में होगी । क्रुक का हिवाइयाँ हैं , पा इस के लिये , अभी से काफी ते स्थारियाँ करनी हैं । और चित्र भी अन्दि चाहिये।

भाशा है, कि पत्र जाली देंगी याद और र्जंड र्स, आपका,

